

KRITISCHER ANHANG.

1. ERHEBLICHERE ABWEICHUNGEN VOM LAURENTIANUS A.

(Vgl. Dindorf Soph. ed. tert. Oxon. 1860. Vol. III.)

V. 13. δύω | 14. θανόντων | 18. ἤιδειν | 19. οὔνεκ' | 27. φησιν *pr. m.* | 29. ἄταφον ἄκλαντον | 33. τοῖς | 34. προκηρύξαντα (*ξα in litura pro το vel ττο*) | 40. λύουσ' ἂν ἢ θάπτουσα, *γρ. ἢ φάπτουσα* | 44. εἰ γὰρ | 48. μ' *om.* | 53. ἔπος, *γρ. πάθος* | 56. αὐτοκτενοῦντε | 60. ἡ κράτη | 63. κρειπτόνων | 76. σοὶ | 80. προὔχοιο ἐγὼ δὲ δὴ | 83. μή μου | πότμον, *γρ. βίον* | 86. πολλὸν ἐχθίων | 89. μάλιστ' | 93. ἐχθρανῆι | 104. βλέφαρον | 105. ὑπερ | 108. ὀξυτόρωι | 110. γαῖ | 113. γὰν ὡς ὑπερέπτα | 117 f. στάς | φονίαισιν | 119. στόμα | 121 f. γένυσιν πλησθῆναι | 128. εἰσιδῶν | 129. πολλῶι ῥεύματι | 136. ὑπεροπτίας (*ὑπερόπτας in marg. m. ant.*) | 131. ῥίπτει | 134. ἀντίτυπα δ' | 138 f. εἶχε δ' ἄλλα τὰ μὲν (*μὲν in litura*) ἄλλα τὰ δ' ἐπ' | 140. δεξιόχειρος *pr. m.* | 149. ἀντιχαρεῖσα | 151. θέσθω *in* θέσθε *corr.* | λησμοσύνην | 153. παννύχοισ | ἐλελίζων, *γρ. ἐλελίχθων* | 154. βακχεῖος | 157. νεαραῖσι | 158. τινὰ ἐρέσσαν | 162. πόλεωσ | 169. ἐμπέδοισ | 180. ἐγκλείσασ | 182. αὐτοῦ | 187. χθονὸς, *darüber* πόλεωσ | 188. γινώσκων | 193. τῶνδ' ἀπ' | 195. δορὶ | 196. ἐφαγνίσαι | 203. ἐκκεκηρύχθαι τάφωι | 210. ἐκ γ' ἐμοῦ, *γρ. ἐξ ἐμοῦ* | 213. παντί πού τ' ἐνεστί σοι | 217. νεκροῦ τ' | 218. ἄλλωι (*darüber o*) | 220. οὔτως | 223. τόχουσ ὑπο | 231. ἦνυτον | βραδύσ, *γρ. ταχύσ* | 235. πεπραγμένος | 241. εὖ γε στοχάζηι κάποφράγνυσαι | 242. σημαίνων | 249. που *pr. m.* | 250. στύφλος | 251. ἀρώξ | 252. τίς | 258. ἐρευνῶσι | 260. ἐγίνετο | 263. ἔφευγε τὸ μὴ | 264. ἔχειν, *sec. m. αἴρειν superscr.* | 267. μήτ' | 269. ὄσ | 280. κάμῃ | 287. διασκεδῶν | 292. λόφον δικαίωσ εἶχον ὡς στέργειν ἐμέ | 302. ἦνυσαν | 307. εἰς | 315. δεδάσεισ (*darüber τι*) | 318. τί δαί | 321. τόδ' ἔργον | 323. ὦι (*darüber ἦν*) δοκεῖ (*darüber η*) | ψευδῆ δοκεῖ | 326. δεινὰ | 339 f. ἀποτρούετ' ἀπλομένων, *γρ. ἀποτρούεται ἰλλομένων* | 341. πόλενον *pr. m.*, πολεῦον *corr.* | 342. κοῦφον ἐόντε *pr. m.*, κουφονέων τε *corr.* | 344. ἀμφιλαβῶν (*darüber o*) ἔχει ἄγει | 346. ἐναλίαν | 351. ἵππον ἐξεταὶ ὀμφίλοφον | 356. πάγων αἴθρια | 361. αἶδα (*darüber ι*) μόνωι (*darüber ον*) | 367. τοτὲ | 368. παρείρων | 373. μήτε μοι | 382. βασιλείοισ | 384. ἡ *om.* | 386. εἰς μέσον | 387. ἐξέβην, *sec. m. προύβην* | 392. γὰρ ἐκτὸς | ἐλπίδαχα *pr. m.*, ρὰ *add. sec.* | 393 f. ἔοικεν ἄλληι μῆκος οὐδὲν ἠδονῆι ἠκω δι' ὄρκων (*darüber ου*) καίπερ ὦν ἀπάμοτος | 395. καθευρέθη | 403. ξυνίεισ | 404. ἴδον | 405. ἀρ' (*darüber ωσ*) | 406. εὐρέθη (*darüber η*) | 408. δεῖν' ἐκεῖν' | 412. βάληι | 413. ἐγερετὶ κεῖνον | 414. ἀφειδήσοι | 420. ἐνθ' ἐμεστώθη | 423. πικρᾶσ | 429. διψαν (*darüber ι*) ἐκφέρει, *γρ. διψίαν φέρει* | 434. πρόσθε | 436. ἀλλ' ἠδέωσ | 439. πάντα ταῦθ' | 444. ἦι θέλεισ | 447. ἦι-